VIDIT PUBLICATION

SUPER TET

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग

2026

भाग 1

सहायक अध्यापक

प्राथमिक स्तर

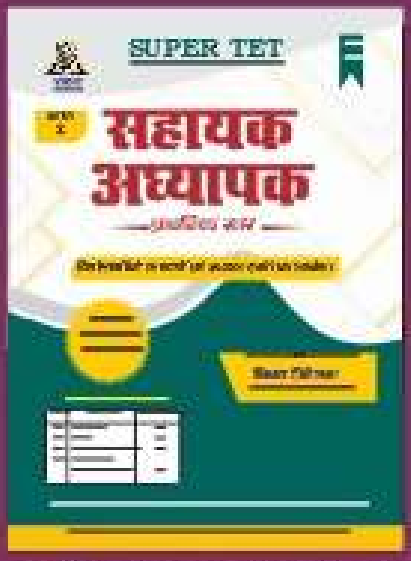
पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों एवं अभ्यास प्रश्नों का समावेश

Quick Revision Booklist

परीक्षा के अंतिम दिनों में
क्विक रिवीजन
के लिए अति महत्वपूर्ण

परीक्षा पाठ्यक्रम और प्रश्न संख्या

क्र.सं.	विषय वस्तु	प्रश्नों की संख्या
1.	शिक्षण कौशल	08
2.	जीवन कौशल	08
3.	बाल मनोविज्ञान	08
4.	सूचना तकनीकी	04
5.	पर्यावरण एवं सामाजिक अध्ययन	08
6.	विज्ञान	08



विगत वर्षों की प्रश्नपत्र । सरल और प्रचलित । नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

VIDIT PUBLICATION, PRAYAGRAJ # Mob. : 8858920081

पुस्तक के बारे में

पुस्तक के बारे में

प्रिय अभ्यर्थियों, प्रस्तुत पुस्तक 'विदित पब्लिकेशन (VIDIT PUBLICATION)' द्वारा "उत्तर प्रदेश प्राथमिक विद्यालय सहायक अध्यापक (Super TET) को पूर्णतया ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह पुस्तक उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) द्वारा आयोजित होने वाले प्राथमिक विद्यालय सहायक अध्यापक (Super TET) परीक्षा के नवीन पाठ्यक्रम और प्रकृति को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है।

इस पुस्तक में पाठ्यक्रम के अंतर्गत शामिल 10 इकाइयों को आपके सुविधानुसार दो भाग में तैयार किया गया है। पहले भाग में शिक्षण कौशल, जीवन कौशल, बाल मनोविज्ञान, सूचना तकनीकी, विज्ञान तथा पर्यावरण एवं सामाजिक अध्ययन को शामिल किया गया है। इसके दूसरे भाग में सामान्य ज्ञान/ समसामयिकी घटनाएँ, हिंदी, संस्कृत एवं अंग्रेजी, तार्किक ज्ञान एवं गणित सहित समस्त पाठ्यक्रम और अवधारणाओं का संकलन किया गया है। परीक्षार्थियों की सहायता के लिए इसमें अद्यतन सरकारी आंकड़ों (Public Data) सहित आयोग के मानक स्तर का विशेष ध्यान रखा गया है एवं आवश्यकतानुसार मैप का उपयोग किया गया है। इस पुस्तक को तैयार करने में पिछले वर्ष के प्रश्नों की प्रकृति को भी ध्यान में रखा गया है। इसके साथ ही इस पुस्तक में प्रत्येक इकाई के साथ "अभ्यास प्रश्न" को भी सम्मिलित किया गया है। इस पुस्तक के दोनों भाग को आप अपने नजदीकी पुस्तक भंडार या विदित पब्लिकेशन की वेबसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

प्रस्तुत पुस्तक को त्रुटिरहित और परीक्षा स्तरीय बनाने में जिन विशेषज्ञों तथा सहकर्मियों का हमें सहयोग मिला, उनके प्रति हम कृतज्ञता प्रकट करते हैं। निरंतर सतर्क प्रयासों के बावजूद पुस्तक में मानवीय भूलवश कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सुधी पाठकों व अभ्यर्थियों के रचनात्मक सुझाव सदैव आमंत्रित हैं।

आदित्य त्रिपाठी

पुस्तक की विशेषता

इस पुस्तक की महत्वपूर्ण खासियत ये है कि इसमें सभी परीक्षापयोगी तथ्यों को अभ्यर्थी के सुविधानुसार तैयार किया गया है जिससे अभ्यर्थी के पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के साथ समय की बचत भी की जा सके। यह भाग आपके पाठ्यक्रम से कुल 44 प्रश्न को कवर करेगा। इसे अधिक-से-अधिक लाभप्रद एवं परीक्षा उपयोगी बनाने के लिए प्रत्येक खण्ड में विस्तृत विषय-वस्तु एवं विश्लेषणात्मक जानकारी का समावेश इस प्रकार किया गया है कि अभ्यर्थियों को परीक्षा में कोई कठिनाई न हो। इस पुस्तक को इस उद्देश्य से तैयार किया गया है जिससे आप सभी अभ्यर्थी बड़े पैमाने पर उत्तीर्ण होकर अपने भविष्य को एक नया मुकाम दे सकें।

सहायक अध्यापकों की भर्ती परीक्षा की संरचना व विषय वस्तुः-

प्राथमिक विद्यालय सहायक अध्यापक (कक्षा 1-5 तक) की भर्ती परीक्षा 2026 की संरचना व विषय वस्तुः-

I. परीक्षा की अवधि 02:00 घण्टे अर्थात् 120 मिनट की होगी।

II. प्रश्नों की संख्या 120 होगी।

III गलत उत्तर दिये जाने पर 01 अंक घटा दिया जायेगा।

IV. सहायक अध्यापकों की भर्ती परीक्षा में सभी प्रश्न एक सही उत्तर के साथ चार विकल्प वाले बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) होंगे, प्रत्येक प्रश्न 03 अंक का होगा।

V. विषयवस्तु का स्तरः-

(1) भाषाः हिन्दी, संस्कृत व अंग्रेजी, विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक अध्ययन (कक्षा 12 स्तर तक)।

(2) शिक्षण कौशल, बालमनोविज्ञान, सूचना तकनीकी, जीवन कौशल प्रबन्धन एवं अभिवृत्ति (डी०एल०एड० पाठ्यक्रम स्तर तक)।

विषय PNG	पाठ्यक्रम PNG	प्रश्न PNG
सामान्य ज्ञान / समसामयिक घटनाएँ	समसामयिक महत्वपूर्ण घटनाएँ- अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेश से सम्बन्धित महत्वपूर्ण घटनाएँ स्थान, व्यक्तित्व, रचनाएँ, अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय पुरस्कार / खेल-कूद, भारतीय संस्कृति एवं कला आदि।	25
तार्किक ज्ञान	Analogies, Assertion and reason, Binary logic, Classification, Clocks and Calendars, Coded inequalities coding & decoding, critical reasoning, cubes number series, puzzles, symbols and notations, venn diaagrams and dice, data interpretation, direction sense test, grouping and selections, inferences, letter series.	05

हिन्दी, संस्कृत तथा अंग्रेजी	व्याकरण एवं अपठित गद्यांश, पद्यांश, Grammar, Comprehension	30
विज्ञान	दैनिक जीवन में विज्ञान, गति, बल, ऊर्जा, दूरी, प्रकाश, ध्वनि, जीवों की दुनिया, मानव शरीर स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण, पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन, पदार्थ एवं पदार्थ की अवस्थाएँ।	08
गणित	अंकीय क्षमता, गणितीय संक्रियाएँ, दशमलव, स्थानीयमान, भिन्न, ब्याज, लाभ-हानि, प्रतिशत विभाज्य, गुणनखण्ड, ऐकिक नियम, सामान्य बीजगणित, क्षेत्रफल, औसत, आयतन, अनुपात, सर्वसमिकाएँ, सामान्य ज्यामिति, सामान्य सांख्यिकी।	16
पर्यावरण एवं सामाजिक अध्ययन	पृथ्वी की संरचना, नदियाँ, पर्वत, महाद्वीप, महासागर व जीव, प्राकृतिक सम्पदा, अक्षांश और देशान्तर, सौरमण्डल, भारतीय भूगोल, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय समाज सुधारक, भारतीय संविधान, हमारी शासन व्यवस्था, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं चुनौतियाँ, हमारी सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक आपदा प्रबन्धन।	08
शिक्षण कौशल	शिक्षण की विधियाँ एवं कौशल, शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त, वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा, समावेशी शिक्षा, प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास, शैक्षिक मूल्यांकन एवं मापन, आरम्भिक पठन कौशल, शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन।	08
बाल मनोविज्ञान	वैयक्तिक भिन्नता, बाल विकास को प्रभावित करने वाले कारक, सीखने की आवश्यकता की पहचान, पढ़ने के लिए वातावरण का सृजन करना, सीखने के सिद्धान्त तथा कक्षा-शिक्षण में इनकी व्यवहारिक उपयोगिता एवं प्रयोग, दिव्यांग छात्रों हेतु विशेष व्यवस्था।	08
सूचना तकनीकी	शिक्षण कौशल विकास, कक्षा-शिक्षण तथा विद्यालय प्रबन्धन के क्षेत्र में सूचना तकनीकी कम्प्यूटर, इन्टरनेट, स्मार्टफोन, ओ०ई०आर० (ओपन एजुकेशनल रिसोर्स), शिक्षण में उपयोगी ऐप्स, डिजिटल, शिक्षण सामग्री के उपयोग की जानकारी।	04
जीवन कौशल/प्रबन्धन एवं अभिवृत्ति	व्यवसायिक आचरण एवं नीति, प्रेरणा, शिक्षण की भूमिका (सुविधा प्रदाता, अनुश्रवणकर्ता, नेतृत्वकर्ता, मार्गदर्शक, परामर्शदाता), संवैधानिक और मानवीय मूल्य, दण्ड एवं पुरस्कार व्यवस्था का प्रभावी प्रयोग।	08

VI. प्रश्न पत्र की भाषा प्रश्न पत्र अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में होगा।

(6) इकाई

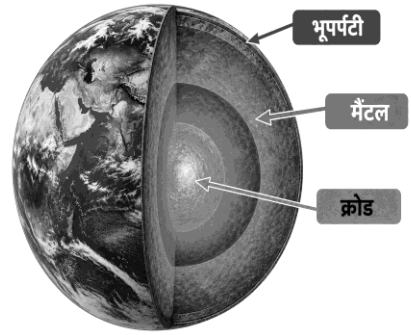
पृथ्वी की संरचना, नदियाँ, पर्वत, महाद्वीप, महासागर व जीव, प्राकृतिक सम्पदा, अक्षांश और देशान्तर, सौरमण्डल, भारतीय भूगोल, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, भारतीय समाज सुधारक, भारतीय संविधान, हमारी शासन व्यवस्था, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, भारतीय अर्थव्यवस्था एवं चुनौतियाँ, हमारी सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक आपदा प्रबन्धन।

6.1 पृथ्वी की संरचना, नदियाँ, पर्वत, महाद्वीप, महासागर व जीव, प्राकृतिक सम्पदा, अक्षांश और देशान्तर, सौरमण्डल

6.1.1. पृथ्वी की आंतरिक संरचना

- पृथ्वी की आंतरिक संरचना को मुख्यतः तीन प्रमुख परतों—भूपर्पटी, मैंटल और क्रोड में विभाजित किया जाता है।
- पृथ्वी के अंदरूनी भाग की प्रत्यक्ष जानकारी सीमित है, इसलिए इसकी संरचना का अध्ययन मुख्यतः भूकंपीय तरंगों, ज्वालामुखीय पदार्थों, उल्कापिंडों तथा गुरुत्वाकर्षण एवं चुंबकीय अध्ययनों के आधार पर किया जाता है।
- स्थलमंडल पृथ्वी की सबसे ऊपरी ठोस परत है, जिसमें भूपर्पटी (Crust) और ऊपरी मैंटल का भाग शामिल होता है। यही वह परत है जिस पर महाद्वीप, महासागर, पर्वत, पठार और मैदान पाए जाते हैं।

परत	विवरण
भूपर्पटी	पृथ्वी की सबसे बाहरी और सबसे पतली परत है। यह मुख्यतः सिलिका और एल्युमिनियम तथा अन्य खनिजों से बनी है। महाद्वीपीय भूपर्पटी की औसत मोटाई लगभग 35 किमी होती है, जबकि महासागरीय भूपर्पटी सामान्यतः लगभग 5–10 किमी मोटी होती है। महाद्वीपीय भूपर्पटी को प्रायः सियाल (Si + Al) तथा महासागरीय भूपर्पटी को सिमा (Si + Mg) से संबंधित किया जाता है। भूपर्पटी और मैंटल के बीच की सीमा को मोहोरोविसिक असांतत्य (मोहो) कहा जाता है।
मैंटल	भूपर्पटी के नीचे लगभग 2900 किमी तक फैली मोटी परत। यह मुख्यतः सिमा (सिलिका+ मैग्नीशियम) से बनी होती है। यह अर्ध-ठोस अवस्था में होती है और इसमें मैग्मा पाया जाता है, जिससे विवर्तनिक प्लेटों की गति होती है।
क्रोड	पृथ्वी का सबसे आंतरिक भाग है और लगभग 2,900 किमी से पृथ्वी के केंद्र 6,371 किमी तक विस्तृत है। इसमें मुख्यतः लोहा और निकेल पाए जाते हैं। यह बहुत अधिक गर्म और घनी होती है तथा दो भागों—बाहरी (तरल) और आंतरिक (ठोस)—में विभाजित होती है।



चट्टान (Rocks)

- चट्टानें पृथ्वी की भूपर्पटी का निर्माण करने वाले ठोस पदार्थ हैं, जो एक या एक से अधिक खनिजों के मिश्रण से बनी होती हैं।

शैल का प्रकार	परिभाषा व विशेषताएँ	उदाहरण
आग्नेय शैल	मैग्मा के ठंडा होकर घनीभूत हो जाने पर आग्नेय शैल का निर्माण होता है। इनका निर्माण पृथ्वी के आंतरिक भाग के मैग्मा एवं लावा से होता है, अतः इनकों प्राथमिक शैल कहा जाता है।	ग्रेनाइट, बैसाल्ट
अवसादी शैल	वे शैलें हैं जो चट्टानों के अपक्षय और अपरदन से बने कणों (अवसाद) के जमाव, संघनन और सीमेंटेशन से बनती हैं। ये शैलें सामान्यतः परतदार होती हैं।	बलुआ पत्थर, चूना पत्थर, डोलोमाइट
कायांतरित शैल	वे शैलें हैं जो पहले से बनी आग्नेय या अवसादी शैलों के उच्च तापमान, अधिक दबाव तथा रासायनिक क्रियाओं के प्रभाव से अपने रूप, संरचना और गुणों में परिवर्तन (कायांतरण) के कारण बनती हैं।	संगमरमर, स्लेट

6.1.2 अक्षांश और देशान्तर

- अक्षांश और देशांतर पृथ्वी पर किसी भी स्थान की सटीक भौगोलिक स्थिति निर्धारित करने वाली काल्पनिक रेखाएँ हैं।

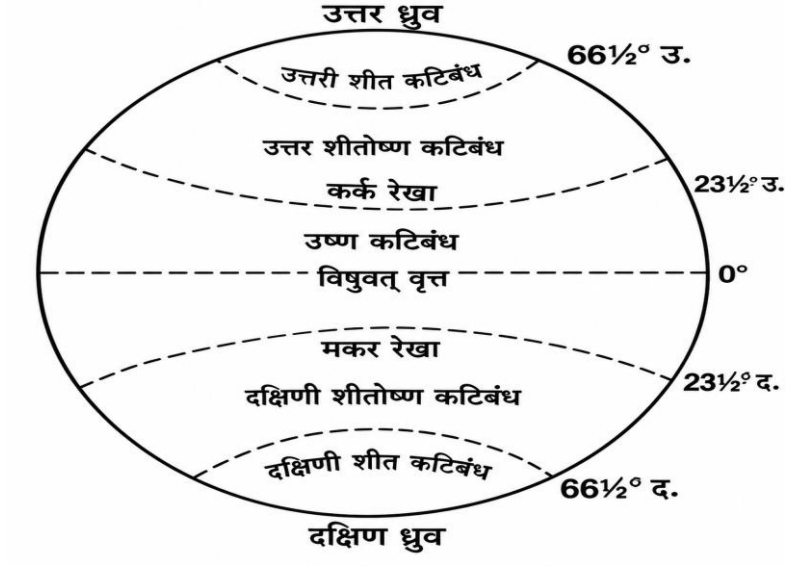
अक्षांश (Latitude)

- अक्षांश पृथ्वी की सतह पर भूमध्य रेखा के उत्तर या दक्षिण में किसी स्थान की कोणीय दूरी को कहते हैं। इसे डिग्री (°) में मापा जाता है।
- अक्षांश रेखाएँ पूर्व से पश्चिम दिशा में भूमध्य रेखा के समानांतर खींची गई काल्पनिक रेखाएँ होती हैं। भूमध्य रेखा को 0° अक्षांश माना जाता है तथा उत्तरी ध्रुव 90° उत्तर और दक्षिणी ध्रुव 90° दक्षिण अक्षांश पर स्थित हैं।
- अक्षांश रेखाओं की लंबाई भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाने पर घटती जाती है। दो अक्षांशों के बीच 1° की दूरी लगभग 111 किलोमीटर होती है।

देशांतर (Longitude)

- देशांतर पृथ्वी की सतह पर प्रधान मध्याह्न रेखा के पूर्व या पश्चिम में किसी स्थान की कोणीय दूरी को कहते हैं। इसे भी डिग्री में मापा जाता है।
- देशांतर रेखाएँ उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तक खींची गई काल्पनिक अर्धवृत्ताकार रेखाएँ होती हैं, जिन्हें मध्याह्न रेखाएँ भी कहा जाता है।
- इंग्लैंड के ग्रीनविच से गुजरने वाली रेखा को 0° देशांतर या प्रधान मध्याह्न रेखा कहते हैं। इसके पूर्व में 180° पूर्वी देशांतर तथा पश्चिम में 180° पश्चिमी देशांतर तक गणना की जाती है।
- सभी देशांतर रेखाएँ ध्रुवों पर मिलती हैं। देशांतर का प्रमुख उपयोग पृथ्वी पर किसी स्थान की पूर्व-पश्चिम स्थिति निर्धारित करने तथा स्थानीय समय की गणना करने में होता है।

अक्षांशीय रेखा	अक्षांशीय स्थिति	प्रमुख विशेषताएँ
भूमध्य रेखा	0° अक्षांश	यह पृथ्वी की सबसे बड़ी अक्षांशीय रेखा है। पृथ्वी को उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में विभाजित करती है। इस क्षेत्र में सूर्य की किरणें वर्ष के अधिकांश समय लगभग सीधी पड़ती हैं। यहाँ दिन और रात लगभग 12-12 घंटे के होते हैं।
कर्क रेखा	23½° उत्तर	यह उत्तरी गोलार्ध में स्थित है तथा उष्ण कटिबंध की उत्तरी सीमा निर्धारित करती है। लगभग 21 जून को सूर्य की किरणें यहाँ लंबवत पड़ती हैं। भारत में कर्क रेखा आठ राज्यों से होकर गुजरती है।
मकर रेखा	23½° दक्षिण	यह दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है तथा उष्ण कटिबंध की दक्षिणी सीमा निर्धारित करती है। लगभग 22 दिसंबर को सूर्य की किरणें यहाँ लंबवत पड़ती हैं। यह दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से होकर गुजरती है।
आर्कटिक वृत्त	66½° उत्तर	यह उत्तरी गोलार्ध में स्थित है तथा उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र की दक्षिणी सीमा निर्धारित करता है। इसके उत्तर में वर्ष के कुछ समय मध्यरात्रि सूर्य और ध्रुवीय रात्रि की घटनाएँ होती हैं।
अंटार्कटिक वृत्त	66½° दक्षिण	यह दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है तथा दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र की उत्तरी सीमा निर्धारित करता है। इसके दक्षिण में वर्ष के कुछ समय मध्यरात्रि सूर्य और ध्रुवीय रात्रि की घटनाएँ होती हैं।



प्रधान मध्याह्न रेखा (Prime Meridian)

- प्रधान मध्याह्न रेखा 0° देशांतर पर स्थित काल्पनिक रेखा है, जो इंग्लैंड के ग्रीनविच से होकर गुजरती है। इसे ग्रीनविच मध्याह्न रेखा भी कहा जाता है।
- यह पृथ्वी पर देशांतर मापन की आधार रेखा है और इसके आधार पर पूर्वी तथा पश्चिमी देशांतर निर्धारित किए जाते हैं। ग्रीनविच माध्य समय का ऐतिहासिक आधार भी इसी रेखा से संबंधित है। देशांतर के आधार पर पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों का स्थानीय समय निर्धारित किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा (International Date Line)

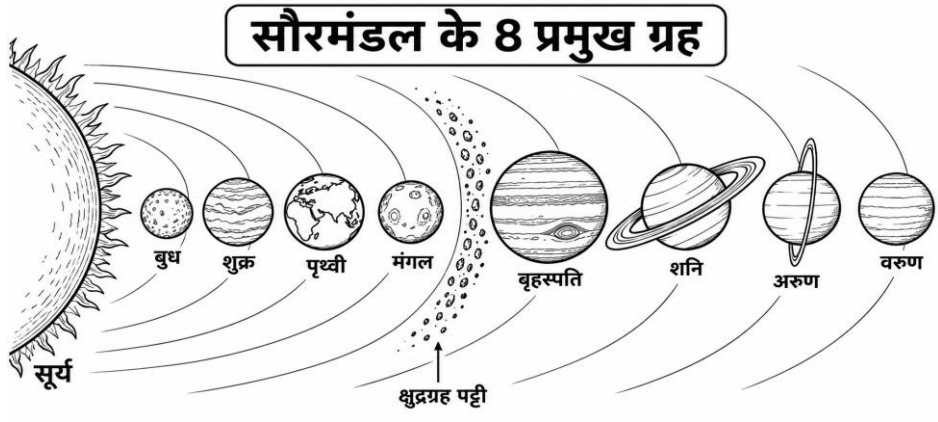
- अंतरराष्ट्रीय तिथि रेखा लगभग 180° देशांतर के आसपास प्रशांत महासागर से होकर गुजरती है। यह एक काल्पनिक रेखा है, जिसे पार करने पर कैलेंडर की तिथि में एक दिन का अंतर आ जाता है।
- इसे पश्चिम से पूर्व की ओर पार करने पर सामान्यतः एक दिन घटाया जाता है, जबकि पूर्व से पश्चिम की ओर पार करने पर एक दिन बढ़ाया जाता है।
- यह रेखा पूरी तरह सीधी नहीं है, बल्कि विभिन्न देशों और द्वीपों को एक ही तिथि में बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर मुड़ती है। इसका प्रमुख उद्देश्य विश्व में तिथि निर्धारण को व्यवस्थित करना है।

6.1.3 सौरमण्डल

- सौरमंडल (Solar System) सूर्य और उसके चारों ओर घूमने वाले सभी खगोलीय पिंडों का समूह है।
- इसमें मुख्य रूप से सूर्य, आठ ग्रह, उनके उपग्रह (चंद्रमा), क्षुद्रग्रह (Asteroids), धूमकेतु (Comets), उल्काएँ (Meteoroids) तथा अंतरग्रहीय धूल और गैस शामिल हैं।
- सूर्य सौरमंडल का केंद्र है और यह एक मध्यम आकार का तारा है, जो पूरे सौरमंडल के कुल द्रव्यमान का लगभग 99.86% भाग अपने अंदर समाहित करता है।
- सूर्य की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण ही सभी ग्रह और अन्य पिंड उसके चारों ओर निश्चित कक्षाओं में घूमते रहते हैं।
- सौरमंडल में कुल आठ ग्रह हैं—बुध, शुक्र, पृथ्वी, मंगल, बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण।
- इनमें से पहले चार ग्रह (बुध, शुक्र, पृथ्वी और मंगल) आंतरिक या स्थलीय ग्रह कहलाते हैं क्योंकि ये ठोस सतह वाले होते हैं।
- बाहरी ग्रह (बृहस्पति, शनि, अरुण और वरुण) गैसीय या विशाल ग्रह होते हैं, जिनमें गैसों का प्रभुत्व होता है।

सौरमंडल के 8 प्रमुख ग्रह

ग्रह	प्रमुख विशेषताएँ
बुध	सूर्य के सबसे निकट का ग्रह, सबसे छोटा ग्रह, कोई उपग्रह नहीं
शुक्र	पृथ्वी की "जुड़वा बहन", सबसे गर्म ग्रह, कोई उपग्रह नहीं
पृथ्वी	जीवन वाला एकमात्र ज्ञात ग्रह, एक उपग्रह—चंद्रमा
मंगल	"लाल ग्रह" कहा जाता है, दो उपग्रह—फोबोस और डीमोस
बृहस्पति	सबसे बड़ा ग्रह, कई उपग्रह (गैनिमीड सबसे बड़ा), मंगल और बृहस्पति के बीच क्षुद्रग्रह पट्टी
शनि	सुंदर वलयों (Rings) वाला ग्रह, अनेक उपग्रह (टाइटन प्रमुख)
अरुण	अपनी धुरी पर लगभग 90° झुका हुआ (लेटे हुए घूमता है), ठंडा ग्रह
वरुण	सबसे दूर स्थित ग्रह, बहुत तेज हवाएँ, गहरा नीला रंग



खगोलीय घटनाएँ

घटना	विवरण
अपसौर	वह स्थिति जब पृथ्वी सूर्य से सबसे अधिक दूर होती है (4 जुलाई)
उपसौर	वह स्थिति जब पृथ्वी सूर्य के सबसे निकट होती है (3 जनवरी)
कर्क संक्रांति	जब सूर्य कर्क रेखा (23½° उ.अ.) पर लंबवत होता है (21 जून), उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ा दिन
मकर संक्रांति	जब सूर्य मकर रेखा (23½° द.अ.) पर लंबवत होता है (22 दिसंबर), उत्तरी गोलार्ध में सबसे छोटी दिन अवधि
वसंत विषुव	जब सूर्य विषुवत रेखा पर होता है (21 मार्च), दिन और रात बराबर
शरद विषुव	जब सूर्य विषुवत रेखा पर होता है (लगभग 23 सितंबर), दिन और रात बराबर

6.1.4 विश्व की प्रमुख नदियां

नदी	लंबाई (लगभग)	उद्गम	मुहाना	प्रमुख विशेषता
नील नदी	6,690 किमी	विक्टोरिया झील क्षेत्र	भूमध्य सागर	विश्व की सबसे लंबी नदी; मिस्र की जीवनरेखा
अमेज़न नदी	6,437 किमी	एंडीज पर्वत, पेरू	अटलांटिक महासागर	जल प्रवाह की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी नदी
यांग्त्सी नदी	6,300 किमी	तिब्बत का पठार	पूर्वी चीन सागर	एशिया की सबसे लंबी नदी
ह्वांग हो (पीली नदी)	5,464 किमी	क्युनलुन पर्वत	पीला सागर	चीन की दूसरी सबसे लंबी नदी; अत्यधिक गाद के लिए प्रसिद्ध
कांगो नदी	4,375 किमी	मध्य अफ्रीका	अटलांटिक महासागर	विषुवत रेखा को दो बार विभाजित करने वाली नदी
मेकांग नदी	4,900 किमी	तिब्बत का पठार	दक्षिण चीन सागर	दक्षिण-पूर्व एशिया की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नदी
मिसीसिपी नदी	3,766 किमी	इटास्का झील, अमेरिका	मैक्सिको की खाड़ी	मिसौरी के साथ मिलकर विशाल नदी तंत्र बनाती है
वोल्गा नदी	3,530 किमी	वल्दाई पहाड़ी	कैस्पियन सागर	यह यूरोप की सबसे लंबी नदी है
डेन्यूब नदी	2,850 किमी	ब्लैक फॉरेस्ट, जर्मनी	काला सागर	यूरोप की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय नदी; कई देशों से होकर बहती है

महत्वपूर्ण तथ्य

- कांगो नदी विश्व की प्रमुख नदियों में ऐसी नदी है जो विषुवत रेखा को दो बार काटती है। यह मध्य अफ्रीका में बहती हुई अंततः अटलांटिक महासागर में गिरती है।
- माही नदी भारत की प्रमुख नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है। माही मध्य प्रदेश से निकलकर राजस्थान और गुजरात से होकर बहती है तथा खंभात की खाड़ी में गिरती है।
- लिम्पोपो नदी दक्षिणी अफ्रीका की महत्वपूर्ण नदी है, जो अपने घुमावदार मार्ग के कारण मकर रेखा को दो बार काटती है।
- राइन नदी यूरोप का सबसे व्यस्त अंतः स्थलीय जलमार्ग है।
- सेंट लॉरेंस नदी उत्तरी अमेरिका की महान झीलों को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है।
- मिसिसिपी-मिसौरी नदी के मुहाने पर 'पक्षी के पैर' की आकृति का डेल्टा निर्मित होता है।

नदियों के किनारे बसे विश्व के प्रमुख नगर

प्रमुख नगर	नदी	प्रमुख नगर	नदी
लंदन	टेम्स	मांट्रियल	सेंट लॉरेंस
पेरिस	सीन	बर्लिन	स्प्री
रोम	टाइबर	हैम्बर्ग	एल्ब
काहिरा	नील	वाशिंगटन	पोटोमैक
बुडापेस्ट	डेन्यूब	बोन	राइन
वियना	डेन्यूब	पर्थ	स्वान
बेलग्रेड	डेन्यूब	यांगून	इरावदी
खारतूम	नील	कीव	नीपर
रॉटरडैम	राइन	बगदाद	टिगरिस
किंशासा	कांगो	शंघाई	यांग्सी

6.1.5 पर्वत

- पर्वत पृथ्वी की सतह का वह ऊँचा स्थलरूप है, जो अपने आसपास के भू-भाग से काफी ऊँचा उठा होता है तथा जिसकी ढाल सामान्यतः तीव्र होती है।
- पर्वतों का निर्माण मुख्यतः पृथ्वी की आंतरिक शक्तियों, प्लेट विवर्तनिकी, वलन, भ्रंशन और ज्वालामुखीय क्रियाओं के कारण होता है।
- उत्पत्ति एवं संरचना के आधार पर पर्वतों को मुख्यतः वलित पर्वत, ब्लॉक/भ्रंशोत्थ पर्वत, ज्वालामुखीय पर्वत तथा अवशिष्ट पर्वत में बाँटा जाता है।

पर्वत का प्रकार	परिभाषा	प्रमुख उदाहरण
वलित पर्वत	पृथ्वी की प्लेटों के संपीड़न के कारण चट्टानों में वलन पड़ने से बने पर्वत।	हिमालय, आल्प्स, एंडीज, रॉकी
ब्लॉक/भ्रंशोत्थ पर्वत	भ्रंश के कारण भू-पर्पटी का एक भाग ऊपर उठने या दो भ्रंशों के बीच का भाग उठ जाने से बने पर्वत।	वोस्जेस, ब्लैक फॉरेस्ट
ज्वालामुखीय पर्वत	ज्वालामुखी से निकलने वाले लावा, राख और अन्य पदार्थों के लगातार जमाव से बने पर्वत।	माउंट फूजी, माउंट किलिमंजारो, माउंट एटना
अवशिष्ट पर्वत	लंबे समय तक अपरदन के बाद कठोर चट्टानों के बचे हुए भाग से बने पर्वत।	विंध्य, अरावली, अप्लेशियन पर्वत

विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ

पर्वत श्रेणी	स्थिति/प्रमुख क्षेत्र	सर्वोच्च बिंदु	ऊँचाई (लगभग)
हिमालय	भारत, नेपाल, भूटान, चीन	माउंट एवरेस्ट	8,848 मीटर
एंडीज	दक्षिण अमेरिका	एकांकागुआ	6,961 मीटर
रॉकी पर्वत	उत्तरी अमेरिका	माउंट मैकिन्ले	6,190 मीटर
आल्प्स	मध्य यूरोप	माउंट ब्लांक	4,809 मीटर
एटलस पर्वत	उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका	जेबेल टूबकल	4,167 मीटर
काकेशस	रूस, जॉर्जिया, अज़रबैजान क्षेत्र	माउंट एल्ब्रुस	5,642 मीटर
ग्रेट डिवाइडिंग रेंज	पूर्वी ऑस्ट्रेलिया	माउंट कोस्युस्को	2,228 मीटर
दक्षिणी आल्प्स	न्यूजीलैंड	माउंट कुक	3,724 मीटर

- दक्षिण अमेरिका की एंडीज पर्वत श्रृंखला विश्व की सर्वाधिक लंबी पर्वत श्रेणी है।
- पिरेनीज पर्वत फ्रांस एवं स्पेन के मध्य सीमा बनाता है।
- माउंट किलिमंजारो तंजानिया में स्थित है तथा यह अफ्रीका का सबसे ऊंची चोटी है।
- एटलस पर्वत का विस्तार मोरक्को, अल्जीरिया एवं ट्यूनीशिया में है।

6.1.6 महाद्वीप

- महाद्वीप पृथ्वी के बहुत बड़े स्थलीय भू-भाग को कहा जाता है, जो महासागरों और समुद्रों से घिरा हुआ।
- वर्तमान में पृथ्वी पर 7 महाद्वीप माने जाते हैं—एशिया, अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया।
- क्षेत्रफल और जनसंख्या की दृष्टि से एशिया सबसे बड़ा महाद्वीप, जबकि ऑस्ट्रेलिया सबसे छोटा महाद्वीप है। अंटार्कटिका दक्षिणी ध्रुव के आसपास स्थित है और लगभग पूरा भाग बर्फ से ढका रहता है।

एशिया

- एशिया क्षेत्रफल और जनसंख्या दोनों की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह मुख्यतः उत्तरी और पूर्वी गोलार्ध में स्थित है।
- एशिया की प्रमुख भौगोलिक विशेषता हिमालय पर्वत है, जिसकी सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848 मीटर) है। विश्व का सबसे ऊँचा पठार तिब्बत का पठार भी एशिया में स्थित है।
- विश्व की प्रमुख नदियों यांग्त्सी, ह्वांग हो, गंगा, सिंधु, ब्रह्मपुत्र और मेकांग का संबंध एशिया से है।
- गोबी मरुस्थल एशिया का प्रमुख शीत मरुस्थल है, जबकि अरब मरुस्थल प्रमुख गर्म मरुस्थलों में से एक है।
- एशिया में बैकाल झील स्थित है, जिसे विश्व की सबसे गहरी मीठे पानी की झील माना जाता है। मृत सागर एशिया में स्थित प्रमुख निम्नस्थलीय जल निकाय है।
- एशिया महाद्वीप में स्थित म्यांमार को 'स्वर्णिम पैगोडा का देश' भूटान को 'लैंड ऑफ थंडर ड्रैगन' एवं जापान को 'सूर्योदय का देश' कहा जाता है।

अफ्रीका

- अफ्रीका क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
- यह एकमात्र महाद्वीप जिससे कर्क, विषुवत एवं मकर रेखाएं तीनों गुजरती है।
- अफ्रीका की प्रमुख भौगोलिक विशेषता सहारा मरुस्थल है, जो विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है। अफ्रीका की सर्वोच्च चोटी माउंट किलिमंजारो है।
- नील नदी अफ्रीका की प्रमुख नदी है और इसका जल भूमध्य सागर में गिरता है। कांगो नदी जल प्रवाह की दृष्टि से विश्व की प्रमुख नदियों में शामिल है।
- विक्टोरिया झील अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है। अफ्रीका में ग्रेट रिफ्ट वैली एक महत्वपूर्ण भ्रंश क्षेत्र है।
- अफ्रीका के उत्तर में भूमध्य सागर, पश्चिम में अटलांटिक महासागर तथा पूर्व में हिंद महासागर स्थित है।

यूरोप

- यूरोप क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का दूसरा सबसे छोटा महाद्वीप है तथा इसे 'प्रायद्वीपों का प्रायद्वीप' कहा जाता है।
- यूरोप की प्रमुख पर्वत श्रेणियों में आल्प्स, पाइरेनीज, कार्पेथियन और यूराल शामिल हैं। यूरोप की सर्वोच्च चोटी माउंट एल्ब्रुस है, जो काकेशस पर्वत में स्थित है।
- वोल्गा नदी यूरोप की सबसे लंबी नदी है।
- यूरोप को एशिया से अलग करने वाली पारंपरिक सीमा में यूराल पर्वत, यूराल नदी, कैस्पियन सागर और काकेशस क्षेत्र शामिल किए जाते हैं।
- यूक्रेन को यूरोप का अन्न भंडार या रोटी की डलिया; फिनलैंड को हजार झीलों का देश एवं नार्वे को 'फियोर्ड तटों का देश' कहा जाता है।

उत्तरी अमेरिका

- उत्तरी अमेरिका क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। यह मुख्यतः उत्तरी और पश्चिमी गोलार्ध में स्थित है।
- इसकी प्रमुख पर्वत प्रणाली रॉकी पर्वत पश्चिम में तथा अप्लेशियन पर्वत पूर्व में स्थित हैं। उत्तरी अमेरिका की सर्वोच्च चोटी डेनाली है, जो अलास्का में स्थित है।
- मिसीसिपी-मिसौरी नदी तंत्र महाद्वीप की प्रमुख नदी प्रणाली है।
- ग्रेट लेक्स—सुपीरियर, मिशिगन, ह्यूरॉन, एरी और ओंटारियो—उत्तरी अमेरिका की महत्वपूर्ण झीलें हैं। नियाग्रा जलप्रपात कनाडा एवं यूएसए की सीमा पर स्थित है।
- ग्रैंड कैन्यन कोलोराडो नदी द्वारा निर्मित प्रसिद्ध स्थलरूप है।
- मेक्सिको की खाड़ी इसके दक्षिणी भाग में स्थित है। ग्रीनलैंड विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है और भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा है।

दक्षिणी अमेरिका

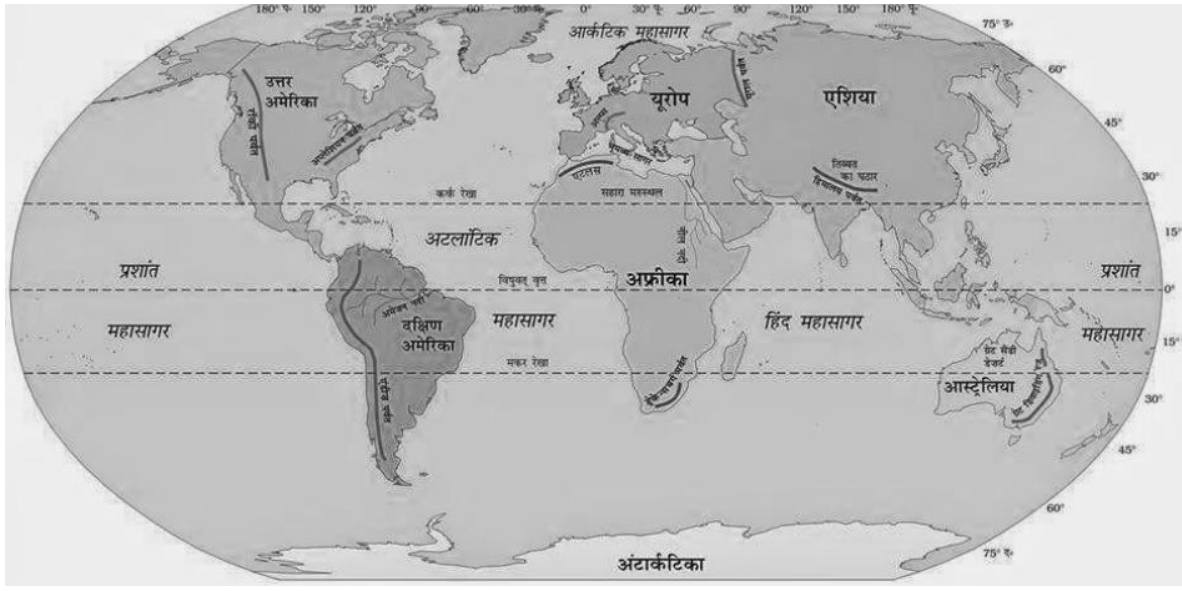
- दक्षिणी अमेरिका मुख्यतः दक्षिणी और पश्चिमी गोलार्ध में स्थित है। इसके पश्चिमी किनारे पर विश्व की सबसे लंबी स्थलीय पर्वत प्रणालियों में से एक एंडीज पर्वत स्थित है।
- दक्षिणी अमेरिका की सर्वोच्च चोटी एकांकागुआ है।
- अमेज़न नदी जल प्रवाह की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी नदी है और इसका विशाल बेसिन अमेज़न बेसिन कहलाता है।
- अमेज़न वर्षावन विश्व का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन है।
- अटाकामा मरुस्थल चिली में स्थित है और पृथ्वी के सबसे शुष्क गैर-ध्रुवीय क्षेत्रों में से एक है।
- पम्पास अर्जेंटीना और आसपास के क्षेत्रों की उपजाऊ घासभूमि है।
- एंजेल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है और विश्व का सबसे ऊँचा जलप्रपात माना जाता है।

ऑस्ट्रेलिया

- ऑस्ट्रेलिया क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व का सबसे छोटा महाद्वीप है। इसे अक्सर द्वीपीय महाद्वीप भी कहा जाता है। इसके पूर्वी भाग में ग्रेट डिवाइडिंग रेंज स्थित है। ऑस्ट्रेलिया की सर्वोच्च चोटी माउंट कोस्युस्को है।
- यहाँ ग्रेट बैरियर रीफ स्थित है, जो विश्व की सबसे प्रसिद्ध प्रवाल भित्ति प्रणालियों में से एक है।
- मध्य और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में विस्तृत मरुस्थलीय क्षेत्र पाए जाते हैं, जिनमें ग्रेट विक्टोरिया मरुस्थल प्रमुख है।
- मरे-डार्लिंग नदी तंत्र ऑस्ट्रेलिया का महत्वपूर्ण नदी तंत्र है।
- ऑस्ट्रेलिया के विशिष्ट जीवों में कंगारू, कोआला और प्लैटिपस प्रमुख हैं।

अंटार्कटिका

- अंटार्कटिका पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के चारों ओर स्थित महाद्वीप है। यह दक्षिणी गोलार्ध में स्थित है और लगभग पूरा महाद्वीप मोटी बर्फ की चादर से ढका हुआ है।
- यह पृथ्वी का सबसे ठंडा, सबसे शुष्क और सबसे अधिक औसत ऊँचाई वाला महाद्वीप माना जाता है। अंटार्कटिका की सर्वोच्च चोटी विंसन मैसिफ है।
- अंटार्कटिका के चारों ओर दक्षिणी महासागर स्थित है। यहाँ पेंगुइन, सील और विभिन्न समुद्री पक्षी प्रमुख जीव हैं। लाइकेन और मॉस जैसी वनस्पतियाँ भी पाई जाती हैं।



विश्व के प्रमुख भौगोलिक उपनाम

भौगोलिक उपनाम	स्थान	भौगोलिक उपनाम	स्थान
सात पहाड़ियों का नगर	रोम	स्वर्ण मंदिर का शहर	अमृतसर
एड्रियाटिक की रानी	वेनिस	भारत का प्रवेश द्वार	मुंबई
कंगारुओं का देश	ऑस्ट्रेलिया	उत्तर का वेनिस	सेंट पीटर्सबर्ग
दक्षिण का ब्रिटेन	न्यूजीलैंड	पक्षियों का महाद्वीप	दक्षिण अमेरिका
भूमध्य सागर की कुंजी	जिब्राल्टर जलसंधि	मोतियों का द्वीप	बहरीन
युद्ध का खेल का मैदान	स्विट्जरलैंड	ब्लू ग्रास स्टेट	केंटुकी, अमेरिका
पूर्वी समुद्र की स्वामिनी	श्री लंका	सफेद हाथियों की भूमि	थाईलैंड
यूरोप की तेल राजधानी	एबरडीन	वादे की भूमि	मिंडानाओ

6.1.7 महासागर व जीव

प्रशांत महासागर

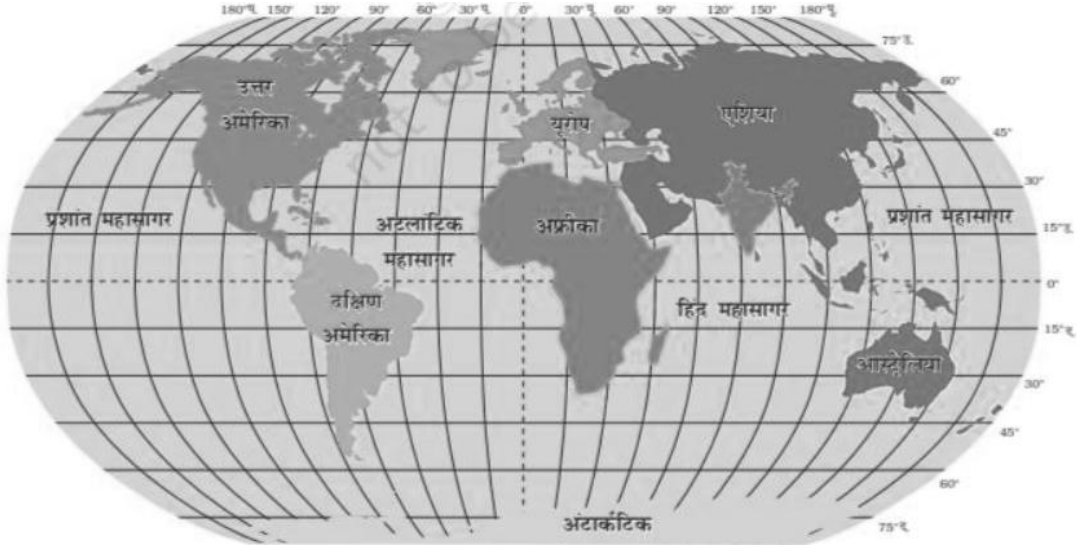
- प्रशांत महासागर विश्व का सबसे बड़ा और सबसे गहरा महासागर है, जो एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी व दक्षिणी अमेरिका के बीच फैला हुआ है।
- इसका क्षेत्रफल पृथ्वी के लगभग एक-तिहाई भाग के बराबर है। इसकी औसत गहराई लगभग 4,000 मीटर से अधिक है।
- यहाँ विश्व का सबसे गहरा गर्त मरियाना गर्त (Mariana Trench) स्थित है।
- इस महासागर की प्रमुख विशेषता "रिंग ऑफ फायर" है, जहाँ ज्वालामुखी और भूकंप अधिक आते हैं।
- यहाँ महत्वपूर्ण स्थलाकृतियों में मिड-ओशैनिक रिज (East Pacific Rise), अनेक समुद्री पर्वत (Seamounts), द्वीप समूह (जैसे हवाई द्वीप) और गहरे गर्त शामिल हैं।
- प्रशांत महासागर में जलधाराएँ, द्वीपों की अधिकता तथा भूकंपीय सक्रियता इसे विशेष बनाती हैं।

अटलांटिक महासागर

- अटलांटिक महासागर विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महासागर है, जो यूरोप और अफ्रीका को अमेरिका महाद्वीपों से अलग करता है।
- इसका आकार अंग्रेजी अक्षर "S" जैसा है। इस महासागर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता मिड-अटलांटिक रिज है, जो एक विशाल समुद्री पर्वतमाला है और महासागर को दो भागों में बाँटती है।
- यहाँ कई महत्वपूर्ण गर्त भी पाए जाते हैं, जैसे प्यूर्टो रिको गर्त (Puerto Rico Trench)।
- अटलांटिक महासागर के तल में कुछ पठारी क्षेत्र भी मिलते हैं, जिनमें टेलीग्राफिक पठार विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

हिंद महासागर

- हिंद महासागर विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है, जो एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से घिरा हुआ है।
- यह एकमात्र महासागर है जिसका नाम किसी देश (भारत) पर रखा गया है। इसकी प्रमुख विशेषता मानसून पवनों का प्रभाव है, जिससे यहाँ की जलधाराओं की दिशा बदलती रहती है।
- हिंद महासागर के तल में कई महत्वपूर्ण स्थलाकृतियाँ पाई जाती हैं, जैसे जावा या सुंडा गर्त (Java Trench) (सबसे गहरा भाग), तथा कई पठारी क्षेत्र जैसे मास्करीन पठार आदि। यहाँ द्वीप समूह (मालदीव, श्रीलंका आदि) भी प्रमुख हैं।



विश्व के प्रमुख जलडमरूमध्य

जलडमरूमध्य	जोड़ता है	स्थान / किनके बीच	महत्व
होरमुज जलडमरूमध्य	फारस की खाड़ी एवं ओमान की खाड़ी	ईरान और ओमान के बीच	प्रमुख तेल परिवहन मार्ग (अत्यंत रणनीतिक)
मलक्का जलडमरूमध्य	हिंद महासागर एवं दक्षिण चीन सागर	मलेशिया और इंडोनेशिया के बीच	विश्व के सबसे व्यस्त व्यापारिक मार्गों में से एक
बेरिंग जलडमरूमध्य	आर्कटिक महासागर एवं प्रशांत महासागर	रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच	एशिया और उत्तरी अमेरिका को अलग करता है
जिब्राल्टर जलडमरूमध्य	अटलांटिक महासागर एवं भूमध्य सागर	स्पेन और मोरक्को के बीच	भूमध्य सागर का प्रवेश द्वार
बोस्फोरस जलडमरूमध्य	काला सागर एवं मरमरा सागर	तुर्की में स्थित	यूरोप और एशिया को विभाजित करता है
डार्डनेल्स जलडमरूमध्य	एजियन सागर एवं मरमरा सागर	तुर्की में स्थित	नौसैनिक मार्ग के लिए महत्वपूर्ण
मैगलन जलडमरूमध्य	अटलांटिक महासागर एवं प्रशांत महासागर	चिली में स्थित	ऐतिहासिक समुद्री मार्ग
पाल्क जलडमरूमध्य	बंगाल की खाड़ी एवं मन्नार की खाड़ी	भारत और श्रीलंका के बीच	भारत के निकट
डोवर जलडमरूमध्य	उत्तरी सागर एवं इंग्लिश चैनल	यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस के बीच	अत्यंत व्यस्त समुद्री मार्ग

स्थानीय गर्म/शीत पवन एवं क्षेत्र

स्थानीय गर्म पवन	क्षेत्र	स्थानीय शीत पवन	क्षेत्र
चिनूक	अमेरिका और कनाडा – रॉकी पर्वत के पूर्वी ढाल	मिस्ट्रल	फ्रांस – रोन घाटी से भूमध्य सागर की ओर
फॉन	यूरोप – आल्प्स पर्वत के उत्तरी ढाल	बोरा	एड्रियाटिक सागर
हरमट्टन	सहारा रेगिस्तान से उत्तर पूर्व दिशा में चलने वाली पवन	बाइज	दक्षिणी फ्रांस
सांता आना	दक्षिणी कैलिफोर्निया (USA)	पैम्पेरो	अर्जेंटीना व उरुग्वे – पंपास क्षेत्र
सिरॉको	सहारा रेगिस्तान से भूमध्य सागर क्षेत्र	फ्रियाजेम	ब्राजील
सिमूम	सहारा एवं अरब रेगिस्तान	पैपागायो	मैक्सिको व निकारागुआ तट
ब्रिकफील्डर	ऑस्ट्रेलिया	विली-विली	ऑस्ट्रेलिया
ब्लैक रोलर	उत्तरी अमेरिका	नॉर्दर	संयुक्त राज्य अमेरिका
नारवेस्टर	न्यूज़ीलैंड	विलीवाव	अलास्का
लू	उत्तरी भारत	बुरान	रूस

6.1.8 प्राकृतिक सम्पदा

विश्व के प्रमुख खनिज संसाधन

खनिज संसाधन	देश/क्षेत्र
लौह-अयस्क	क्रिवॉय रॉग (यूक्रेन), मिनास गिरास प्रदेश (ब्राज़ील), किरूना एवं गैलीबरा क्षेत्र (स्वीडन) सुपीरियर झील प्रदेश (अमेरिका), पिलबारा क्षेत्र (ऑस्ट्रेलिया)
मैंगनीज	पेंकी क्षेत्र (चीन), मीनास गेरास, अमापा क्षेत्र (ब्राज़ील)
तांबा	चुकीकामाटा (चिली), कटंगा प्रदेश (कांगो), एरिज़ोना (अमेरिका), मलाजखंड (भारत), सडबरी क्षेत्र (कनाडा), ट्रांसवाल (दक्षिण अफ्रीका)
सोना	विटवाटर्सरैंड (दक्षिण अफ्रीका), कालगूर्ली एवं कूलगार्डी (ऑस्ट्रेलिया), कोलार क्षेत्र (भारत),
चांदी	चिहुआहुआ (मेक्सिको), ब्रोकन हिल, माउंट ईसा (ऑस्ट्रेलिया) क्यूबेक (कनाडा) मोंटाना (अमेरिका)
जस्ता	ज़ावर खान (भारत), माउंट ईसा (ऑस्ट्रेलिया), ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा), चीन के दक्षिणी क्षेत्र
हीरा	किंबरले एवं जोहानिसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका), याकूत क्षेत्र (रूस), बोत्सवाना, पन्ना क्षेत्र (भारत)
बॉक्साइट	वीपा क्षेत्र (ऑस्ट्रेलिया), जमैका, गिनी, झारखंड एवं ओडिशा (भारत)

विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र

प्राकृतिक संसाधन	प्रमुख क्षेत्र / देश
पेट्रोलियम	ओरीनिको बेसिन एवं माराकैबो झील (वेनेजुएला), कैलिफोर्निया (अमेरिका), पश्चिमी साइबेरिया (रूस), बॉम्बे हाई (भारत), उत्तरी सागर क्षेत्र (ब्रिटेन एवं नॉर्वे), पेगुयोमा क्षेत्र (म्यांमार), धावर, अबकीक (सऊदी अरब), किरकुक (ईराक), अल-बुरकान (कुवैत)
प्राकृतिक गैस	याकूतिया (रूस), शवेलिका (यूक्रेन), कतर, ईरान, टेक्सास क्षेत्र (अमेरिका), कृष्णा-गोदावरी बेसिन (भारत)
कोयला	रूर क्षेत्र एवं सार (जर्मनी), डोनेट्स बेसिन (यूक्रेन), अपलेशियन क्षेत्र (अमेरिका), दामोदर घाटी क्षेत्र (भारत), शांक्सी क्षेत्र (चीन)
यूरेनियम	अथाबास्का (कनाडा), कोलोरैडो पठार (अमेरिका), कटंगा पठार (कांगो)

प्रमुख बायोम क्षेत्र

बायोम	भौगोलिक विशेषताएँ	प्रमुख वनस्पतियाँ
टुण्ड्रा बायोम	ध्रुवीय क्षेत्र, अत्यधिक ठंड, भूमि अधिकांश समय बर्फ से ढकी रहती है	काई (Moss), लाइकेन, छोटी झाड़ियाँ
टैगा बायोम	उपध्रुवीय शीत प्रदेश, लंबी ठंडी सर्दियाँ	शंकुधारी वृक्ष जैसे पाइन, फर, स्प्रूस
समशीतोष्ण पतझड़ी वन	समशीतोष्ण जलवायु, मध्यम वर्षा	ओक, मेपल, बीच पतझड़ी वृक्ष
सवाना बायोम	उष्णकटिबंधीय घासभूमि, आर्द्र एवं शुष्क ऋतु स्पष्ट	लंबी घास, विरल वृक्ष
समशीतोष्ण घासभूमि	मध्यम वर्षा, विशाल घास के मैदान	छोटी एवं मुलायम घास
मरुस्थलीय बायोम	अत्यल्प वर्षा, दिन-रात तापमान में अधिक अंतर	कैक्टस, कांटेदार झाड़ियाँ
उष्णकटिबंधीय वर्षावन बायोम	विषुवतीय क्षेत्र, वर्ष भर उच्च तापमान एवं भारी वर्षा	सदाबहार घने वन, महोगनी, आबनूस, रबर

विश्व में पाए जाने वाले प्रमुख घास क्षेत्र

घास क्षेत्र का नाम एवं प्रकार	देश / क्षेत्र
प्रेयरी – समशीतोष्ण घासभूमि	अमेरिका एवं कनाडा
स्टेपी – समशीतोष्ण घासभूमि	रूस
पम्पास – समशीतोष्ण घासभूमि	अर्जेंटीना एवं उरुग्वे
वेल्ड – समशीतोष्ण घासभूमि	दक्षिण अफ्रीका
डाउन्स – समशीतोष्ण घासभूमि	ऑस्ट्रेलिया
पुस्टाज– समशीतोष्ण घासभूमि	हंगरी
लानोस – उष्णकटिबंधीय घासभूमि	वेनेजुएला एवं कोलंबिया
सवाना – उष्णकटिबंधीय घासभूमि	पूर्वी अफ्रीका
कैंपोस – उष्णकटिबंधीय घासभूमि	ब्राज़ील

विश्व की प्रमुख जनजातियाँ

जनजाति	क्षेत्र	जनजाति	क्षेत्र
एस्किमो	ग्रीनलैंड, कनाडा, अलास्का	खिरगीज	मध्य एशिया
बुशमैन	कालाहारी मरुस्थल, अफ्रीका	बद्दू	अरब मरुस्थल
मसाई	पूर्वी अफ्रीका	माओरी	न्यूजीलैंड
पिग्मी	कांगो बेसिन	सकाई	मलय प्रायद्वीप एवं मलेशिया
रेड इंडियन	उत्तरी अमेरिका	जुलु	दक्षिण अफ्रीका
अबोरिजिन	ऑस्ट्रेलिया	सेमांग	मलेशिया
एनु	जापान	वेद्दा	श्रीलंका

विश्व की प्रमुख स्थानांतरित कृषि

स्थानांतरण कृषि	देश	स्थानांतरण कृषि	देश
मिल्पा	मेक्सिको एवं मध्य अमेरिका	रे	वियतनाम
रोका	ब्राज़ील	तमराई	थाईलैंड
लदांग	इंडोनेशिया एवं मलेशिया	तावी	मेडागास्कर
तुंग्या	म्यांमार	मसोले	कांगो जायरे
चेना	श्रीलंका	कोनुको	वेनेज़ुएला
कॉन्को	वेनेजुएला		

6.2 भारतीय भूगोल

6.2.1 भारत की सामान्य जानकारी

- भारत का अक्षांशीय विस्तार लगभग **8°4' उत्तरी अक्षांश से 37°6'** उत्तरी अक्षांश तक है, जबकि देशांतर विस्तार 68°7' पूर्वी देशांतर से 97°25' पूर्वी देशांतर तक फैला हुआ है।
- भारत की उत्तर से दक्षिण लंबाई लगभग 3214 किमी तथा पूर्व से पश्चिम चौड़ाई लगभग 2933 किमी है।
- भारत का क्षेत्रफल 32, 87,263 वर्ग किलोमीटर है तथा यह क्षेत्रफल की दृष्टिकोण से विश्व का सातवां सबसे बड़ा देश है।
- भारत के मध्य से कर्क रेखा (8 राज्य)) गुजरती है - गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मिजोरम
- भारत का मानक समय 82°30' पूर्वी देशांतर से निर्धारित होता है, जो उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के निकट नैनी से (कुछ स्रोतों में मिर्जापुर) के पास से गुजरता है।
- मानक याम्योत्तर (82°30' E) जिन राज्यों से गुजरता है: उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश।
- **सर्वाधिक राज्यों की सीमाओं से लगा राज्य उत्तर प्रदेश (आठ राज्य) है।**

भारत के राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय देश के साथ सीमा

पड़ोसी देश	भारतीय राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	लंबाई (लगभग किमी)
बांग्लादेश	पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम	4096 किमी
चीन	लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश	3488 किमी
पाकिस्तान	लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात	3323 किमी
नेपाल	उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम	1751 किमी
म्यांमार	अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम	1643 किमी
भूटान	सिक्किम, पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश	699 किमी
अफगानिस्तान	लद्दाख	106 किमी

